पत्रिका PLUS Weekend

Jaipur . Sunday
08/10/2017

RAJASTHANPATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

citylite 24 citylive 25 screen play 26

स्किट में दिखाई लैंग्वेज की इम्पॉर्टेंस

इंडो फ्रेंच कल्चरल सोसायटी का वार्षिकोत्सव

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● फॉरेन लैंग्वेज का भी बहुत महत्व है, यदि विदेश जाएं और वहां लोकल लैंग्वेज नहीं आए तो परेशानी हो सकती है। लैंग्वेज की महत्ता को स्टूडेंट्स ने स्किट के माध्यम से बखूबी दर्शाया। इंडो फ्रेंच कल्चरल सोसायटी, राजस्थान यूनिवर्सिटी के फ्रेंच एंड फ्रेंकोफोन स्टडीज की ओर से शनिवार को आयोजित 35वें वार्षिकोत्सव में डिफरेंट लैंग्वेज की स्किट परफॉर्मेंस हुई। महारानी कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आईएफसीएस और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने फ्रेंच, स्पेनिश और अंग्रेजी में कल्चरल प्रोग्राम्स की परफॉर्मेंस दी। स्पेनिश में डॉक्टर और पेशेंट के रिश्ते को लेकर स्किट परफॉर्मेंस हुई। इसमें बताया गया कि डॉक्टर को स्पेनिश का ज्ञान नहीं था। एक दिन उसके क्लिनिक में स्पेनिश पेशेंट इलाज करवाने आया। पेशेंट स्पेनिश में बोल रहा था और डॉक्टर को लैंग्वेज समझ नहीं आ रही थी, पर वह लैंग्वेज को जानने का नाटक करते हुए इलाज कर रहा था। ऐसे में नर्स ने पेशेंट की स्थिति को भांपते हुए डॉक्टर को हिंदी में ट्रांसलेट किया, तब तक पेशेंट को गुस्सा आ जाता है और वह भला-बुरा कह निकल जाता है।

फ्रेंच स्किट में कॉलेज की मस्ती को दर्शाया गया, जिसमें एक स्टूडेंट फ्रेंच की क्लास में काफी मस्ती करता है। पूरे साल मौज-मस्ती ही की। एग्जाम के दिनों में पता चलता है कि लैंग्वेज सीख लेते तो पेपर सही होता। ग्रेजुएशन के बाद एक बार वह स्टूडेंट फ्रांस जाता है। टूटी-फूटी फ्रेंच लैंग्वेज ने उसे काफी परेशान किया। तब उसे पता चलता है कि फ्रेंच लैंग्वेज सीख लेता तो ये दिन देखना नहीं पड़ता। कार्यक्रम की इस शृंखला को आगे बढ़ाते हुए स्टूडेंट्स ने फ्रेंच सॉन्ग और हिन्दी सॉन्ग 'आशाएं' प्रस्तुत किया।

EVENT TODAY

काव्य महफिल

समय : दोपहर तीन बजे

स्थान : चैम्बर ऑफ कॉमर्स भवन

आयोजक : सुमधुर

आंख पर पट्टी बांधकर करेंगे फोटोग्राफी

समय : सुबह 6:30 बजे

स्थान : चौड़ा रास्ता

आयोजक : जयपुर फोटोग्राफर्स क्लब

करवा चौथ सेलिब्रेशन

समय : शाम 6:30 बजे

स्थान : विद्याधर नगर स्थित वेन्यू

आयोजक : वसुंधरा लेडीज क्लब

City LIVE ...

सार्क सूफी सम्मेलन में सेशंस और नाटक में छाया सूफिज्म

भोज राज की व्यथा और मीरा की भक्ति 'प्रेम दीवानी'

वक्ताओं ने कहा- सूफी प्रेम की भाषा 'द मोर यू गिव, मोर यू गेन'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● सूफी प्रेम की भाषा है, 'द मोर यू गिव, मोर यू गेन'। द फाउंडेशन ऑफ सार्क राइटर्स एंड लिटरेचर की ओर से डिग्गी पैलसे में चल रहे सूफी फेस्टिवल में शनिवार को इसी तरह के विचार रखे गए। 'सूफी, सोसायटी और कल्चर' सेशन में स्पीकर रियाज पंजाबी ने योग और सूफी से जुड़े विषय पर अपनी बात रखी। पंजाबी ने कहा कि योग लोगों की जीवनशैली में सकारात्मकता लाता है। वहीं सूफी अध्यात्म के लिए जरूरी है या ये कहें कि सूफी से अध्यात्म को पाना आसान है। सूफी से सोसायटी और कल्चर को जान सकते हैं और इन्हें साथ लाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

इसके बाद अफगानिस्तान के नजीबुल्ला आजाद ने कहा कि जीवन में सूफी की नॉलेज इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे हम ह्यूमैनिटी को जान सकते हैं और आज के युग की सबसे बड़ी जरूरत है। श्रीलंका की स्पीकर डेमफायला रहुला थेरो ने कहा कि आज हम सभी इनरपीस को खोज रहे हैं, यह सूफी के जरिए पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर धर्म में अध्यात्म की बात की गई है, जो शांति और आत्मचिंतन से जुड़ा है। बुद्धिज्म में इसे प्रमुखता से रखा गया है।

सोहिला कपूर के निर्देशन में आरती नैयर, अरुण प्रकाश और अविकल ने किया अभिनय

Theatre...

मंच पर भक्ति रचनाओं में कृष्ण का गुणगान और अध्यात्म की बहती रसधारा। आदर्श नगर स्थित निजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में इसी तरह नाटक 'प्रेम दीवानी' का आगाज हुआ। संगीत से सजे नाटक में जहां मीरा की कृष्ण भक्ति को दर्शाया, वहीं उनके पति राणा भोज राज के साथ उनके रिश्तों की गहराई को समझाने का प्रयास भी किया गया। नाटक में भोज राज की व्यथा को सबसे ज्यादा उजागर करने को प्रयास किया गया। इसमें यह बताने की कोशिश की कि किस तरह राणा का मीरा की सफल भक्ति में खास योगदान रहा। वहीं मीरा ने भक्ति के साथ भी समाज के दस्तूर को निभाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। कात्यानी ग्रुप की ओर से यह नाटक का पहला मंचन था। 'दर्द ना जाने कोई...', 'बसो मोरे नैनन में...', 'पग घुंघरू बांध...', 'एरि मैं तो प्रेम दीवानी...', 'म्हारो तो गिरधर...' ने भावनात्मकता और आकर्षण को बनाए रखा।

सूफी मतलब शुद्ध मानुष

बांग्लादेश की शहनाज सुल्ताना ने कहा कि सूफी का मतलब शुद्ध मानुष है। जब हम इसकी बात करते हैं, तो सत्य की बात होती है। जीवन में सत्य को जानना सबसे जरूरी है। अफगानिस्तान के मोहम्मद अनवर वफा ने कहा कि कई वर्षों से हम सभी के मन में मानव की खोज और उसकी एग्जिस्टेंस को लेकर विचार चल रहे हैं। सूफी से इसे जाना जा सकता है।

स्कूल में सब्जेक्ट के तौर पर शामिल हो सूफी

दुनिया में सही गलत को लेकर सभी की अलग राय होती है। शायद जो आपके लिए सही है, वो मेरे लिए नहीं हो। ऐसे में लोगों को सही-गलत का फैसला लेने की क्षमता सूफी के जरिए डवलप की जा सकती है। मुझे लगता है कि दुनियाभर से स्कूलों में सूफी को एक सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाना चाहिए, ताकि लोग शुरू से ही अध्यात्म से लेकर मानवता को जान सकें।

नजीबुल्ला आजाद, अफगानिस्तान

कल्चर ला सकता है सबको साथ

भारत और श्रीलंका कल्चरली समान हैं, इसे कई तथ्यों से समझा जा सकता है। दुनियाभर में आज मानवता की जरूरत है। विभिन्न देशों में रिलेशनशिप आर्थिक आधार पर सिमट कर रह गई है। हम डवलप और डवलपिंग में अटके हैं, जबकि जरूरत स्प्रिचुअल रिलेशंस की है, जो कल्चरल एक्सचेंज के जरिए आ सकता है।

पी. अनुषा गोकुला फर्नांडो, डायरेक्टर , डिपार्टमेंट ऑफ कल्चरल अफेयर, श्रीलंका

इंडिया म्यूजिक समिट 27 से

प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया एंथम लॉन्च

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

नई दिल्ली ● देश के शास्त्रीय संगीत को बॉलीवुड के बाजार से अलग श्रोता उपलब्ध कराने के लिए जयपुर में 27 से 29 अक्टूबर तक इंडिया म्यूजिक समिट का पहला संस्करण आयोजित होगा। म्यूजिकॉन्सेप्ट्स की ओर से आयोजित हो रहे समिट में देश की जमीनी स्तर की प्रतिभा को अपना संगीत श्रोताओं के सामने रखने का मौका मिलेगा। जाने-माने गीतकार व सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी और गायक शंकर महादेवन ने शनिवार को समिट का एंथम लॉन्च किया। इस एंथम को इन दोनों कलाकारों ने ही मिलकर तैयार किया है। प्रसून म्यूजिकॉन्सेप्ट्स के मेंटर भी हैं। पत्रिका डॉट कॉम इंडिया म्यूजिक समिट का पैट्रन है। प्रसून ने कहा कि देश के तमाम क्लासिकल गायक और संगीतकारों को यह समिट एक मंच मुहैया कराएगा। जयपुर में आयोजन को लेकर जोशी ने कहा कि जयपुर में संगीत का आकाश दिखाई देता है। लोकगीत तो पूरे राजस्थान में रचा बसा है। यहां क्लासिकल म्यूजिक सुनने वाली ऑडियंस भी आसानी से मिल जाती है, इसलिए इंडिया म्यूजिक समिट के लिए जयपुर को चुना गया। जोशी ने उम्मीद जताई कि यह समिट भी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की तरह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बनेगा। वहीं, म्यूजिकॉन्सेप्ट्स की सह-संस्थापक अंबिका श्रीवास्तव ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों से 40 से अधिक शास्त्रीय संगीतकार हिस्सा लेंगे। इसमें गिरिजा देवी, पं. जसराज, हरिहरन, पं. छन्नूलाल मिश्र जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। पांच बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता जेफभास्कर भी समिट के तीसरे दिन शामिल होंगे। कार्यक्रम में म्यूजिकॉन्सेप्ट्स के सह संस्थापक माला सेखरी, अपर्णा जोशी, निप्पी सिंह और दीपक सहाय, वायाकॉम18 के राज नायक और फरजाद पालिया भी मौजूद थे।

बच्चों को जीने दें उनका बचपन : यशपाल शर्मा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● यशपाल शर्मा ने कहा कि आज के समय में इंटरनेट और टीवी बच्चों के दुश्मन बन गए हैं। ऐसे में बच्चों को उनसे दूर रखने की जरूरत है। मोबाइल गैजेट्स सबसे ज्यादा घातक हैं। यशपाल ने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि एक बार वह कार से जैसलमेर जा रहे थे। उनके साथ विदेशी पत्रकार भी थी। अचानक कार से उन्होंने पानी की खाली बोतल फेंकनी चाही तो उस पत्रकार ने उन्हें टोका और कहा कि इतनी साफ सड़क को आप बोतल फेंक कर गंदा क्यों कर रहे हो?

...खो रहा है बचपन

यशपाल ने कहा कि बच्चों के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक रियलिटी शो हैं। इन शोज के कारण उनमें बचपन में ही बड़ों की तरह भावनाएं पनपने लगी हैं। शोज का स्तर भी गिरता जा रहा है। अभिभावकों को चाहिए कि वह बच्चों के बचपन के साथ खिलवाड़ ना करें। उन्हें सही वातावरण दें।

एक्ट्रेस विभा छिब्बर ने कहा कि बच्चे तो अपनी नजर से दुनिया को देख सकते हैं, लेकिन वो गैजेट्स के माध्यम से दुनिया को देख रहे हैं। इसी को देखते हुए एक नाटक तैयार किया है।

नाटक सबसे मुश्किल विधा

यशपाल ने बताया कि नाटक सबसे मुश्किल है। इसमें कार्य करने वाले आर्टिस्ट्स को कई परेशानियों से गुजरना पड़ता है। ऐसे में ना तो उन्हें रुपए ज्यादा मिलते हैं, मेहनत भी खूब होती है। नाटक करने वाले कलाकार पहले से कम हुए हैं। वैसे परफॉर्मिंग आर्ट का असली मजा नाटक में ही आता है।

रवीन्द्र मंच मुख्य सभागार में राष्ट्रीय बाल नाट्य समारोह शुरू

'फनगामा' में हंसी का 'धमाका...'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● रवीन्द्र मंच के मुख्य सभागार में क्यूरियो संस्था की ओर से शनिवार से राष्ट्रीय बाल नाट्य समारोह 'फनगामा' की शुरुआत हुई। चार दिवसीय समारोह में स्टूडेंट्स ने भजनों पर रंगारंग प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। इस दौरान अभिनेता यशपाल शर्मा का स्वागत भी किया गया। इसके बाद स्टोरी टेलिंग सेशन रखा गया, जिसमें अभिनेत्री विभा छिब्बर ने प्रेमचंद की कहानी 'बूढ़ी काकी' का वाचन किया। अगली कड़ी में विभा और उनकी टीम ने नाटक 'धमाका हैप्पी बर्थडे' का मंचन किया। समारोह में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने शिरकत की। शाम को पुनः नाटक का मंचन किया गया।

'धमाका हैप्पी बर्थडे' के माध्यम से कलाकारों ने वर्तमान समय में गैजेट्स के दुष्प्रभाव पर रोशनी डाली। कलाकारों ने जोकर की ड्रेस में अभिनय किया। जोकरों की हरकतों और कॉमेडी देखकर दर्शक लोटपोट हो गए। नाटक में दर्शाया गया कि कुछ बच्चे अपनी दादी का बर्थडे मनाने जा रहे होते हैं। इसी बीच एक लड़के की एंट्री होती है जो सभी को अपने गैजेट्स में उलझा लेता है और पूरी फैमिली को एक दूसरे से अलग कर देता है।

एक्टिंग की बारीकियां बताई

नाटक के बाद थिएटर एजुकेशन पर सेमिनार में एक्सपर्ट्स ने बच्चों के साथ अनुभव शेयर किए। इस बीच विभा ने कहा कि पैरेंट्स और थिएटर आर्टिस्ट बच्चों की मेंटलिटी समझें, बच्चों की उम्र और शौक को देखते हुए उन्हें गाइड करें। इस दौरान उन्होंने दर्शकों को एक्टिंग की बारीकियां बताई।

MUSIC CONCERT ...

हर रंग दे विच वसदा...

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● खड़ताल व ढोलक ने बीच लयकारी का गजब तालमेल और बुल्ले शाह के कलाम को बुलंद आवाज से सजाते कलाकार कचरा और सफिक खान। संगीत की यह बानगी शनिवार को कॉन्सर्ट 'स्वरा' में देखने को मिली। बैनियन ट्री की ओर से हुए कॉन्सर्ट में शास्त्रीय संगीत और राजस्थानी माटी से संगीत का रंग श्रोताओं पर साफ तौर पर दिखाई दिया। शुरुआत राजस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति से हुई। उन्होंने सबसे पहले 'लूणागर' फिर अंतरिया और बाद में बुल्लेशाह के दो कलाम 'इश्क इशख्यां लगे...' और 'हर रंग दे विच वसदा...' के जरिए शहरवासियों की तालियां बटोरी। कॉन्सर्ट में कचरा के साथ सांरगी पर महरूद्दीन लंगा, खड़ताल पर देबू खान और ढोलक पर गाजी खान ने संगत की।

बिखेरा राग जोग का जादू

अगली प्रस्तुति में जाने-माने बांसुरी वादक राकेश चौरसिया और सितारवादक पूर्वायन चटर्जी ने संगीत की साधना व जुगलबंदी से परिचय करवाया। उन्होंने शुरुआत राग जोग से की। इसमें आलाप जोड़, झाला के जरिए माहौल को अध्यात्म और संगीत से भर दिया। इसके बाद लैटिन-अमरीकन ड्रमर करीना कोलिस के साथ बांसुरी और सितार के फ्यूजन ने भी संगीत का उत्साह को परवान चढ़ाया।

रैम्प पर मॉडल्स का जलवा

जयपुर ● बॉलीवुड बीट्स के साथ कदम मिलाकर रैम्प पर वॉक करती मॉडल्स। मौका था पृथ्वीराज रोड स्थित होटल में आयोजित राजस्थान फोटो फेस्ट के अंतिम दिन हुए फैशन शो का। मिस राजस्थान ऑर्गनाइजेशन की मॉडल्स ने मंच पर डिजाइनर ज्योति सिंह के एथनिक कलेक्शन को शोकेस किया। पूर्णिमा गोयल ने मॉडल्स का मेकअप और हेयर डू किया।

फ्यूजन ग्रुप और मिस राजस्थान ऑर्गनाइजेशन के डायरेक्टर योगेश मिश्रा ने बताया कि मिस राजस्थान-2016 गीतांजलि और मिस राजस्थान-2017 सिमरन शर्मा शो स्टॉपर रहीं। वहीं, फाइनलिस्ट अपर्णा जादौन, उदिता तंवर, शिखा अधिकारी, साइना शर्मा, अक्षिता चौधरी, अलीशा और यशस्वी शेखावत ने कैटवॉक किया। इसके बाद ईवनिंग गाउन थीम पर स्प्रिंग और समर कलेक्शन शोकेस किया गया। डिजाइनर रिद्धिमा गोधा के कलेक्शन की शो स्टॉपर सिमरन पारीक रहीं। शो डायरेक्टर गौरव गौड़ थे।